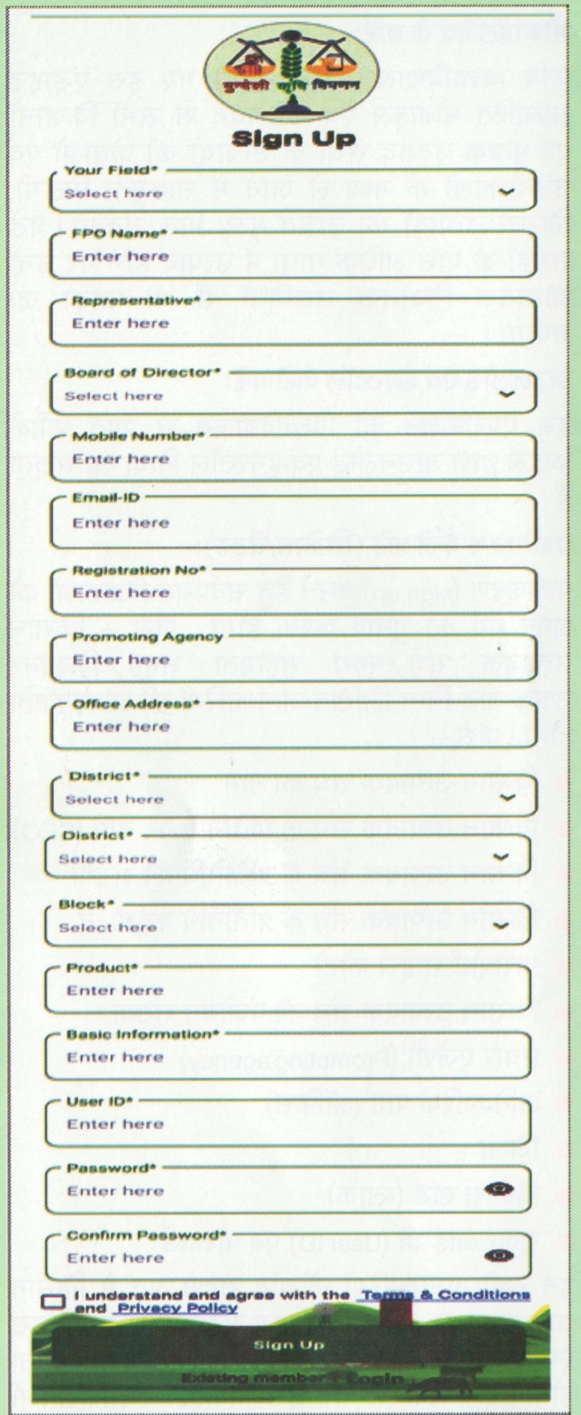

चित्र : मोबाइल ऐप का पंजीकरण पृष्ठ

इस ऐप में लॉगइन करने के बाद विक्रेताओं को अपने उत्पादों से सम्बंधित निम्नलिखित जानकारियाँ देनी होगी।

- उत्पादों का विवरण
- उत्पाद का वर्ग
- विक्रेता के पास उत्पाद की उपलब्ध मात्रा (stock)
- उत्पाद का नाम
- उत्पाद का फोटो
- उत्पाद का दाम (MRP)
- उत्पाद का सत्यापन

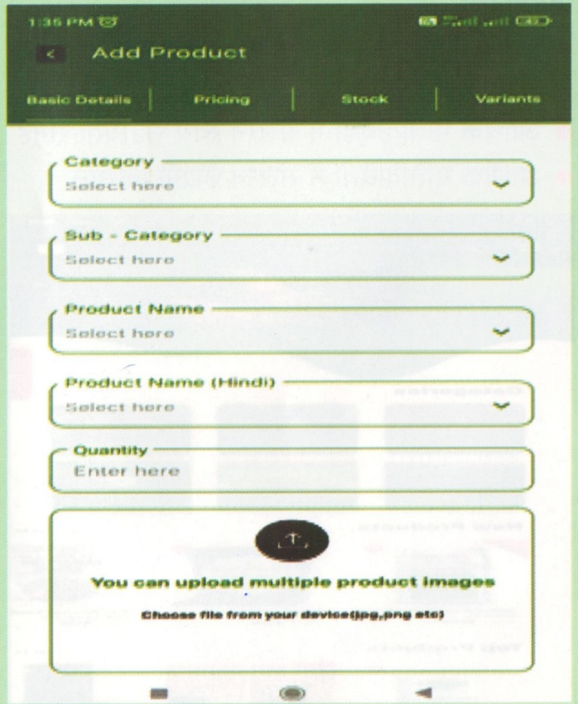

चित्रः विक्रेताओं द्वारा अपने उत्पादों का विवरण

विशेष जानकारी हेतु सम्पर्क करें:
डॉ. एस.एस. सिंह
निदेशक प्रसार शिक्षा
प्रसार शिक्षा निदेशालय
दूरभाष : +91–789746699
ई–मेल : directorextension.rlbcau@gmail.com

प्रकाशितः
कुलपति
रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
झाँसी 284003, उत्तर प्रदेश (भारत)

मुद्रक : क्लासिक इण्टरप्राइजेज, झाँसी. 7007122381

प्र.शि.नि./त.प्र.सा.-फोल्डर/2023/63

NABARD

बुन्देली कृषि विपणन मोबाइल ऐप की जानकारी

नाबार्ड द्वारा वित्त पोषित परियोजना

संजीव कुमार, तनुज मिश्रा, शैलेन्द्र कुमार एवं अर्पित सूर्यवंशी

प्रसार शिक्षा निदेशालय
रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
झाँसी 284003, उत्तर प्रदेश (भारत)
वेबसाईट : www.rlbcau.ac.in

परियोजना के बारे में :

रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय द्वारा संचालित एवं राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा वित्त पोषित **"कृषि-उद्यमियों (किसान-उपभोक्ता-उद्यमी) के लिए एकीकृत मंच"** परियोजना का मुख्य उद्देश्य कृषि–उद्यमियों के लिए एकीकृत मंच प्रदान करना हैं, जिसके द्वारा किसान, उपभोक्ता एवं उद्यमी सभी एक मोबाइल ऐप के माध्यम से उपभोक्ताओं से जुड़ सकें एवं अपने उत्पादों को बेहतर तरीकों से दिखा सकें। सूचना एवं संचार तकनीक पर आधारित इस परियोजना के द्वारा समुदाय संचालित समूहों जैसे कि किसान उत्पादक संघो एवं स्वयं सहायता समूहों आदि को एक सूत्र में मोबाइल एप्लीकेशन से जोड़कर उनके बाजार, उपभोक्ता तथा अन्य हितधारको को एक मंच पर लाया जा सकेगा, जहां ये सभी समूह अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन कर सकेंगे। इससे उन्हें न केवल क्षेत्रीय स्तर पर बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने में मदद मिलेगी, जहां इच्छुक उपभोक्ता को आवश्यकतानुसार शुद्ध तथा स्थानीय कृषि उत्पाद मिलेंगे। इस परियोजना के माध्यम से उत्पादों तथा उत्पादकों को सूचीबद्ध कर उपभोक्ताओं को उनकी आवश्यकताओं और सुविधा के अनुसार आपूर्ति की जा सकेगी।

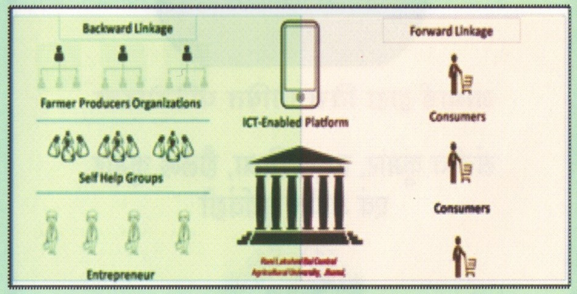

चित्र : परियोजना की योजनाबद्ध प्रस्तुति

प्रायोगिक रूप से इस परियोजना की शुरुआत उत्तर प्रदेश के तीन जिले (झाँसी, ललितपुर एवं जालौन) से किया जा रहा हैं। इन तीन जिलों के किसान उत्पादक संघों, स्वयं सहायता समूहों तथा उन किसानों को जोड़ा जायेगा जो अपने उत्पादों को उपभोक्ता तक पहुँचाना चाहते हैं।

चित्र : परियोजना कार्यक्षेत्र (बुंदेलखंड)

हितधारकः

- आर्थिक गतिविधियों में संलग्न किसान उत्पादक संघ
- आर्थिक गतिविधियों में संलग्न स्वयं सहायता समूह
- आर्थिक गतिविधियों में संलग्न उद्यमी किसान

चित्र : मोबाइल ऐप में विभिन्न उत्पादों का दृश्य

मोबाइल ऐप के बारेः

कृषि विश्वविद्यालय द्वारा बनाये गए इस एंड्राइड आधारित मोबाइल ऐप की मदद से सभी किसानों एवं कृषक उत्पाद संघो के उत्पादों को क्रेताओं एवं उपभोक्ताओं के मध्य ले जाने में सहायता मिलेगी, जिससे उत्पादों का उचित मूल्य मिल सकेगा। बड़े समूहों के पास अधिक मात्रा में उत्पाद होने पर उन्हें आयातक–निर्यातक उद्यमियों से भी जोड़ा जा सकेगा।

डाउनलोड एवं इनस्टॉल कैसे करेः

इस एप्लीकेशन को विश्वविधालय से प्राप्त एपीके फाइल द्वारा डाउनलोड एवं इनस्टॉल किया जा सकता हैं।

पंजीकरण कैसे करे (विक्रेता/वेंडर):

पंजीकरण (sign up) करने हेतु सर्वप्रथम विक्रेताओं को अपने वर्ग का चुनाव करना होगा जैसे – किसान उत्पादक संघ/स्वयं सहायता समूह/किसान। उसके बाद निम्न लिखित जानकारियों की आवश्यकता होगी। जैसे:–

- किसान उत्पादक संघ का नाम
- किसान उत्पादक संघ के प्रतिनिधि का नाम (CEO)
- किसान उत्पादक संघ के प्रतिनिधि की संख्या
- किसान उत्पादक संघ के प्रतिनिधि का मो. नं.
- पासपोर्ट साइज फोटो
- किसान उत्पादक संघ की पंजीयन संख्या
- प्रचार एजेंसी (Promoting agency)
- अधिकारिक पता (ऑफिस)
- जिला
- विकास खंड (ब्लाक)
- यूजर आई डी (User ID) एवं पासवर्ड

इन सभी जानकारियों के बाद सबसे अंत में किसान उत्पादक संघ/किसान/स्वयं सहायता समूह को इस ऐप के नियम, शर्त और गोपनीयता नीति को मानना होगा। इन सभी के बाद इस मोबाइल एप्लीकेशन में लॉगइन कर उपयोग किया जा सकेगा।